रानी मिश्रा (मैथिली विभाग)
R.N. College, Pandaul:

BA - Part II LL(H) Date - 08-05-2020

सुन्दर संयोग (जीवन झा) सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न : अहाँक कें नाचे - ताक के नियम रहैए। हमरा तँ एकटा कनिया, सेहो दुःखित। एखन धरि जनइक पुहारियो नहि गेलैक, तखन हम की मन पाड़ब।"

सप्रसंग व्याख्या : प्रस्तुत गद्यांश कविवर जीवन झा रचित 'सुन्दर संयोग' मैथिली नाटकसँ लेल गेल अछि।

प्रथम गर्भाङ्क मे नटीक कथ्य अछि। नटी आ सूत्रधारक बीच (पती - पत्नी) भेल वार्ताक अंश थिक। एहि नाटकक कथा अछि जे नायिका सरला आ नायक सुन्दर मिश्र जे चतुर्थीहि दिन सासुरसँ चलि अयलाह। नायिका दुखित भ' गेल छलीह। तैं नायिकाक माय उदयागा आ दुःखक दुबल पति कें कहैत छथि। अहाँ कें त' नाचे - तमाशे मन लगैत अछि। हमर कन्या विवाहसँ दुखित अछि। जमाइ गेला से एखन धरि पुहारियो नहि केलन्हि। हमर मन त' व्यथित अछि। आ अहाँकें लोकक मनोरंजनार्थ नाचगान सुझैत अछि।

Scanned with CamScanner

प्रश्न: "अहाँ सों भेंट कहिआ भेल तेखन सौं बिकल छन्ही।
तेहि अन्धार लेखल कोउ लख करवामे अक्षम छी॥"

उत्तर: प्रश्नगत पद्यांश कविवर जीवन झा रचित 'सुन्दर संयोग' नाटकसँ लेल गेल अछि। जे द्वितीय अंकमे नेपथ्यसँ गीत सुनाओल जाइछ। ई गीत रागा पीलुकेँ अछि।
एहि नाटकक नायक सुन्दर मिश्र जे विवाहित होइत पर्यन्त चतुर्थी दिन आ सासुरसँ चल अएलाह। कतोक दिनक बाद सासुर एक पत्र पठौलनि आ पत्र आपस आबि जाइत अछि आ वैद्यनाथ धाम मे ओहि गामसँ आयल केँ देखलनि ताहिसँ आ स्वरक्त पंडा ओहिल जखन आगन्तुक यात्रीक नाम-गाम उच्चारण जाइत अछि त सुन्दर मिश्र सब आगन्तुक यात्री केँ चिन्हि गेल। संगमे अपन नव विवाहिता पत्नी केँ सेहो। एकरबाद सुन्दर मिश्रकेँ प्रिया-वियोग होमय लगलनि। ओहि वियोगक अभिव्यक्ति एहि गीत आ पद्यमे भेल अछि। प्रिय जहियासँ अहाँ से भेंट छन बिकल भेल छी। अहाँ आगाँमे जीवने अन्हार बुझना जाइछ। कोनो काजमान नहि लगैत अछि।

Scanned with CamScanner